पाठ्‌यक्रम संरचना

कक्षा – XI

विषय – अर्थशास्त्र (303)

पूर्णांक – 100

सैद्धांतिक – 80
प्रायोजना – 20

स.क्र.	इकाई एवं पाठ्‌यवस्तु	आबंटित अंक	कालखण्ड
	भाग (अ) – अर्थशास्त्र में सांख्यिकी		
	इकाई 01 – परिचय		
01.	परिचय	03	10
	इकाई 02 – आँकड़ों का संग्रह, संगठन एवं प्रस्तुतीकरण		
02.	ऑकड़ो का संग्रह	12	30
03.	ऑकड़ो का संगठन		
04.	ऑकड़ो का प्रस्तुतीकरण		
	इकाई 03 – सांख्यिकी उपकरण एवं सांख्यिकी विधियों का उपयोग		
05.	केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप	07	15
06.	सहसंबंध	07	15
07.	सूचकांक	08	20
08	सांख्यिकीय विधियों के उपयोग	03	10
	भाग (ब) – भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास		
	इकाई 04 – विकास नीतियां और अनुभव (1947–90)		
09.	स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था	06	12
10.	भारतीय अर्थव्यवस्था (1950–90)	03	05
	इकाई 05 – आर्थिक सुधार 1991 से		
11.	उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरणः एक समीक्षा	09	17
	इकाई 06 – भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान चुनौतियॉ		
12.	भारत में मानव पूंजी निर्माण	07	25
13.	ग्रामीण विकास		
14.	रोजगार संवृद्धि अनौपचारीकरण एवं अन्य मुद्दे	03	12
15.	पर्यावरण और धारणीय विकास	04	13
	इकाई 07 – भारत और उसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव		
16.	भारत और उसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव	08	16
	योग –	**80**	**200**
	प्रायोजना –	**20**	**20**
	महायोग –	**100**	**220**

प्रश्नपत्र योजना
कक्षा – XI
विषय – अर्थशास्त्र (303)

पूर्णांक – 80 समय – 3:00 घंटे

'A'-प्रश्नानुसार अंक विभाजन

क्र.	शैक्षिक उद्देश्य	वस्तुनिष्ठ (MCQ/VSA) 01	लघु उत्तरीय (SA-I) 02	लघु उत्तरीय (SA-II) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA-I) 04	दीर्घ उत्तरीय (LA-II) 06	कुल अंक	% अधिभार
1.	**ज्ञानात्मक (Knowledge)** परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न	05	02	01	01	-	16	20%
2.	**अवबोधात्मक (Understanding)** अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद	02	01	-	01	02	20	25%
3.	**अनुप्रयोगात्मक (Application)** उदाहरण सहित/संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थितियों को समझना/सिद्धांत के समाधान/हल निकालना	02	01	02	01	01	20	25%
4.	**विश्लेषणात्मक (Analysis)** [HOTS] वर्गीकृत, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्त्रोतो पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना/एकीकरण/सुसंगठित करना/अंतर	01	-	01	01	-	08	10%
5.	**मूल्यांकन (Evaluation)** मूल्यांकन करना/समीक्षा करना/मूल्य निर्धारण /निष्कर्ष निकालना/चयन करना/तर्क आधारित	-	01	-	-	01	08	10%
6.	**रचनात्मक (Creation/Creativity)** सृजन करना/पुर्वानुमान/योजना बनाना/ परिकल्पना/संगठित करना	-	-	-	02	-	08	10%
	योग	**1(10) =10**	**2(05) =10**	**3(04) =12**	**4(06) =24**	**6(04) =24**	**80**	**100%**

'B'- प्रश्नानुसार विभाजन

क्र.	प्रश्नों के प्रकार	प्रत्येक प्रश्न पर आबंटित अंक	कुल प्रश्न	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQ/VSA)	01	01(10)	10
2.	लघुउत्तरीय (SA-I)	02	05	10
3.	लघुउत्तरीय (SA-II)	03	04	12
4.	दीर्घउत्तरीय (LA-I)	04	06	24
5.	दीर्घउत्तरीय (LA-II)	06	04	24
			19+1(10)	80

'C'- कठिनाई स्तर अनुसार विभाजन

क्र.	कठिनाई स्तर	अंक	प्रतिशत
1.	सरल (E)	24	30%
2.	औसत (AV)	40	50%
3.	कठिन (D)	16	20%
	योग	**80**	**100%**

ब्लूप्रिंट
कक्षा – XI
विषय – अर्थशास्त्र (303)

पूर्णांक – 80 **समय – 3:00 घंटे**

क्र	इकाई एवं पाठ्यवस्तु	अंको का अधिभार	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQ/VSA)	लघु उत्तरीय (SA-I)	लघु उत्तरीय (SA-II)	दीर्घ उत्तरीय (LA-I)	दीर्घ उत्तरीय (LA-II)	कुल अंक	कुल प्रश्नों की संख्या
		अंक	1	2	3	4	6		
	भाग (अ) – अर्थशास्त्र में सांख्यिकी								
	इकाई 01 – परिचय								
01.	परिचय	03			01			03	1(0)
	इकाई 02 – आँकड़ों का संग्रह, संगठन एवं प्रस्तुतीकरण								
02.	ऑकड़ो का संग्रह	12	02	02			01*	12	3(2)
03.	ऑकड़ो का संगठन								
04.	ऑकड़ो का प्रस्तुतीकरण								
	इकाई 03 – सांख्यिकी उपकरण एवं सांख्यिकी विधियों का उपयोग								
05.	केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप	07	01				01*	07	1(1)
06.	सहसंबंध	07			01	01*		07	2(0)
07.	सूचकांक	08		02		01*		08	3(0)
08	सांख्यिकीय विधियों के उपयोग	03			01			03	1(0)
	भाग (ब) – भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास								
	इकाई 04 – विकास नीतियां और अनुभव (1947–90)								
09.	स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था	06					01*	06	1(0)
10.	भारतीय अर्थव्यवस्था (1950–90)	03	01	01				03	1(1)
	इकाई 05 – आर्थिक सुधार 1991 से								
11.	उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरणः एक समीक्षा	09	01			02*		09	2(1)
	इकाई 06 – भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान चुनौतियॉ								
12.	भारत में मानव पूंजी निर्माण	07	01				01*	07	1(1)
13.	ग्रामीण विकास								
14.	रोजगार संवृद्धि अनौपचारीकरण एवं अन्य मुद्दे	03			01			03	1(0)
15.	पर्यावरण और धारणीय विकास	04				01*		04	1(0)
	इकाई 07 – भारत और उसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव								
16.	भारत और उसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव	08	04			01*		08	1(4)
	योग	**80**	1(10) =10	2(05) =10	3(04) =12	4(06) =24	6(04) =24	**80**	19+1 (10)=20

01. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के दो भाग होंगे। खण्ड 'अ' में 05 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) एवं खण्ड 'ब' में 05 अतिलघुउत्तीय (VSA) प्रश्न होंगे।
02. * तारांकित प्रश्नों में विकल्प दिए जायेंगे।
03. योग में कोष्ठक के बाहर की संख्या अंको को दर्शाती है तथा कोष्ठक के अंदर की संख्या प्रश्नों की संख्या को दर्शाती है।

प्रश्नपत्र संरचना
कक्षा – 11वीं
विषय– अर्थशास्त्र (303)

पूर्णांक – 80 **समय – 3:00 घंटे**

1. प्रश्न क्र0–1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिसमें दो खण्ड होंगे :–
   (i) **"खण्ड–अ" में 05** बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) होंगे। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
   (ii) **खण्ड–"ब" में 05** अतिलघुउत्तरीय (VSA) प्रश्न होंगे। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
2. प्रश्न क्र0–02 से प्रश्न क्र0 06 तक अति लघुउत्तरीय प्रश्न (SA-I) होगें, प्रत्येक में 02 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 30
3. प्रश्न क्र0– 07 से प्रश्न क्र0 10 तक लघुउत्तरीय प्रश्न (SA-II) होगें, प्रत्येक में 03 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 50
4. प्रश्न क्र0–11 से प्रश्न क्र0 16 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA-I) होगें, प्रत्येक में 04 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 75–100
5. प्रश्न क्र0–17 से प्रश्न क्र0 20 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA-II) होगें, प्रत्येक में 06 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 150–200

पाठ्यक्रम
कक्षा – ग्यारहवीं
विषय – अर्थशास्त्र (303)

भाग (अ) : अर्थशास्त्र में सांख्यिकी

इकाई : 1 परिचय

अध्याय : 1 – परिचय **अंक 03 कालखण्ड 10**

अर्थशास्त्र क्यों? उपभोग, उत्पादन और वितरण, अर्थशास्त्र में सांख्यिकी, सांख्यिकी क्या है? सांख्यिकी क्या करती है, सारांश।

इकाई : 2 आंकड़ों का संग्रह, संगठन एवं प्रस्तुतीकरण **अंक 12 कालखण्ड 30**

अध्याय : 2 आंकड़ों का संग्रह

प्रस्तावना, आंकड़ों के स्त्रोत क्या है? हम आंकडे कैसे संग्रहीत करते है, आंकड़ा–संग्रह की विधि, जनगणना तथा प्रतिदर्श सर्वेक्षण, जनगणना तथा प्रतिदर्श, यादृच्छिक प्रतिचयन, प्रतिचयन एवं अप्रतिचयन त्रृटियाँ, भारत की जनगणना एवं प्रतिदर्श सर्वेक्षण (NSS)।

अध्याय : 3 आंकड़ों का संगठन

प्रस्तावना, अपरिष्कृत आंकड़े, चरः संतत और विविक्त, बारंबारता वितरण क्या है? बारंबारता वितरण कैसे तैयार करें? वर्ग अंतराल, समान अंतराल के हों या असमान अंतराल के? वर्गो की संख्या कितनी होनी चाहिए, हमें प्रत्येक वर्ग की बारंबारता कैसे प्राप्त करनी चाहिए, मिलान चिन्ह अंकन द्वारा वर्ग बारंबारता को ज्ञात करना, सूचना की हानि, असमान वर्गो में बारंबारता वितरण, बारंबारता सारणी, द्विचर बारंबारता वितरण।

अध्याय : 4 आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण

प्रस्तावना, आंकड़ो का पाठविषयक प्रस्तुतीरण, गुणात्मक वर्गीकरण, मात्रात्मक वर्गीकरण, कालिक वर्गीकरण, आंकड़ों का सारणीकरण तथा सारणी के अंग, आंकड़ों का आरेखी प्रस्तुतीकरण,

ज्यामितीय आरेख – दण्ड आरेख, वृत्त आरेख,

बारंबारता आरेख – आयत चित्र, बारंबारता बहुभुज, बारंबारता वक्र, तोरण

अंकगणितीय रेखाचित्र –

इकाई : 3 सांख्यिकीय उपकरण एवं सांख्यिकीय विधियों का उपयोग

अध्याय : 5 केंन्द्रीय प्रवृत्ति की माप **अंक 07 कालखण्ड 15**

प्रस्तावना, समांतर माध्य, संतत श्रंखला, सामांतर माध्य की दो रोचक विशेषताएं, माध्यिका, चतुर्थक, शतमक, बहुलक– बहुलक का अभिकलन, समांतर माध्य, मध्यिका एवं बहुलक की सापेक्षिक स्थिति।

अध्याय : 6 सहसंबंध **अंक 07 कालखण्ड 15**

प्रस्तावना, संबंधों के प्रकार– सहसंबंध किसका मापन करता है, सहसंबंध के प्रकार, सहसंबंध को मापने की प्रविधियाँ, प्रकीर्ण आरेख कार्ल पियरसन का सहसंबंध गुणांक, स्पीयरमैन का कोटि सहसंबंध।

अध्याय : 7 सूचकांक **अंक 08 कालखण्ड 20**

प्रस्तावना, सूचकांक क्या है? सूचकांक की रचना, समूहित विधि, मूल्यानुपातो की माध्य विधि, कुछ महत्वपूर्ण सूचकांक– उपभोक्ता कीमत सूचकांक, थोक किमत सूचकांक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, मानव विकास सूचकांक, संवेदी सूचकांक, सूचकांक की रचना में मुद्दे, अर्थशास्त्र में सूचकांक।

अध्याय : 8 सांख्यिकी विधियों के उपयोग **अंक 03 कालखण्ड 10**

प्रस्तावना, परियोजना के चयन, परियोजनाओं की प्रस्तावित सूची, प्रतिदर्श परियोजना, परियोजना रिपोर्ट की संक्षिप्त टिप्पणी।

भाग दो – भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास

इकाई : 4 विकास नीतियाँ तथा अनुभव (1947–90)

अध्याय : 9 स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था – **अंक 06 कालखण्ड 12**

परिचय, औपनिवेशिक शासन के अंतर्गत निम्न स्तरीय आर्थिक विकास, कृषि क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र, विदेशी व्यापार, जनांकिकीय परिस्थिति, व्यावसायिक संरचना, आधारिक संरचना।

अध्याय : 10 भारतीय अर्थव्यवस्था (1950–90) **अंक 03 कालखण्ड 05**

परिचय, पंचवर्षीय योजनाओं का लक्ष्य, कृषि, उद्योग और व्यापार, व्यापार नीतिः आयात प्रतिस्थापन।

इकाई : 5 आर्थिक सुधार 1991 से

अध्याय : 11 उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण : एक समीक्षा – **अंक 09 कालखण्ड 17**

परिचय, पृष्ठभूमि, उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण, सुधार कालीन भारतीय अर्थव्यवस्था – एक समीक्षा

इकाई : 6 भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान चुनौतियाँ

अध्याय : 12 भारत में मानव पूँजी का निर्माण – **अंक 07 कालखण्ड 25**

परिचय, मानव पूँजी क्या है? मानव पूँजी के श्रोत, मानव पूँजी और मानव विकास, भारत मे मानव पूँजी निर्माण की स्थिति, शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय में वृद्धि, भविष्य की संभावनाएँ।

अध्याय : 13 ग्रामीण विकास –

परिचय, ग्रामीण विकास क्या है? ग्रामीण क्षेत्रकों में साख और विपणन, कृषि विपणन व्यवस्था, उत्पादक गतिविधियों का विविधीकरण, धारणीय विकास और जैविक कृषि।

अध्याय : 14 रोजगार संवृद्धि, अनैपचारीकरण एवं अन्य मुद्दे – **अंक 03 कालखण्ड 12**

परिचय, श्रमिक और रोजगार, लोगों की रोजगार में भागिदारी, स्वनियोजित तथा भाडे के श्रमिक, फर्मो तथा कारखानों तथा कार्यालयों में रोजगार, समृद्धि एवं परिवर्तनशील रोजगार संरचना, भारतीय श्रमबल का अनौपचारीकरण, बेरोजगारी, सरकार और रोजगार सृजन।

अध्याय : 15 पर्यावरण और धारणीय विकास – **अंक 04 कालखण्ड 13**

परिचय, पर्यावरण– परिभाषा और कार्य, भारत की पर्यावरण स्थिति, धारणीय विकास, धारणीय विकास की रणनीतियाँ।

इकाई : 7 भारत और उसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव

अध्याय : 16 भारत और उसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव –

अंक 08 कालखण्ड 16

परिचय, विकास पथ : एक चित्रांकन, जनांकिकीय संकेतक, सकल घरेलू उत्पाद एवं क्षेत्रक मानव विकास के संकेतक, विकास नितियाँ एक मूल्यांकन।

सैद्धांतिक –	**80**	**200**
प्रायोजना –	**20**	**20**
महायोग –	**100**	**220**

प्रायोजना कार्य (Project Work)
कक्षा – XI
विषय – अर्थशास्त्र (303)
मूल्यांकन योजना

अंक – 20

समय – 2:00 घण्टे

स.क्र.	विषयवस्तु	अंक
01	विषय–वस्तु प्रसंग Relevance of the topic	03
02	विषय–वस्तु ज्ञान/अनुसंधान कार्य Knowledge content/Research Work	06
03	प्रस्तुतिकरण तकनीक Presentation Techniques	03
04	प्रायोजना कार्य रिकार्ड + मौखिक	08
	कुल अंक –	20

टीप – प्रायोजना कार्ययोजना पाठ्यक्रमानुसार पूर्ववत् यथावत रहेगा।

प्रायोजना कार्य (Project Work)
कक्षा – XI
विषय – अर्थशास्त्र (303)

अंक – 20 **समय – 2:00 घण्टे**

उदाहरण स्वरूप दिये गए प्रायोजना के दिशा निर्देशानुसार छात्रों को प्रायोजना बनाने के लिये प्रोत्साहित किया जा सकता है। कुछ संस्थाओं और दुकानों के अध्ययन से भी प्रोत्साहित किया जा सकता है। इसके अंतर्गत छात्रों को पाठ्यक्रम भाग 1 तथा भाग 2 के आधार पर एक व्यापक प्रायोजना करनी है।

उदाहरण स्वरूप कुछ प्रायोजना निम्नानुसार है (जो अनिवार्य नहीं है सुझाव स्वरूप है)

01. अपने पड़ोस के जन सांख्यिकीय संरचना पर रिपार्ट तैयार करना।
02. परिवारों के बीच उपभोक्ता जागरूकता संबंधी बदलाव लाना।
03. उत्पादकों के लिए मूल जानकारी का प्रसार और उपभोक्ताओं पर इसके प्रभाव।
04. एक सहकारी संस्था का अध्ययन : दुग्ध सहकारी समितियां, विपणन सहकारी समितियां इत्यादि।
05. सार्वजनिक निजी साझेदारी, आउटसोर्सिंग तथा बाह्य विदेशी प्रत्यक्ष निवेश इत्यादि पर केस स्टडी।
06. ग्लोबल वार्मिंग
07. स्कूलों में लागू करने योग्य पर्यावरण के अनुकूल प्रायोजनाओं को निर्मित कराना (जैसे पेपर व पानी का पुनःचक्रीयकरण)

इस इकाई को प्रारंभ करने का उद्देश्य विद्यार्थियों को तरीके और साधनों को विकसित करने के लिये सक्षम करना है। कोर्स में सीखने का कौशल का उपयोग करके एक प्रोजेक्ट विकसित किया जा सकता है।

एक प्रायोजना डिजाइन करने के समस्त चरण : शीर्षक चुनाव, चयनित शीर्षक संबंधी समस्त जानकारियों का संग्रह, प्रायोजना का प्रस्तुतीकरण, प्राथमिक एवं द्वितीयक डाटा का संग्रह, आंकड़ों का विश्लेषण, प्रयुक्त विभिन्न सांख्यिकीय उपकरण, उनकी व्याख्या, उपयोग एवं निष्कर्ष शामिल है।

टीप – स्थानीय परिवेश तथा उपलब्धता अनुसार शिक्षक छात्र/छात्राओं को प्रायोजना चयन की अनुमति तथा मार्गदर्शन प्रदान कर सकते है।

........00........